01 अक्टूबर, 2024

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों के साथ उनके कार्यों पर चर्चा तथा उनका समान

दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र आगरा पर कार्यरत सफाई कर्मचारी श्रीमती ललिता देवी के साथ उनके कार्यों पर चर्चा तथा उनको सम्मानित किया गया।

दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर पर कार्यरत सफाई कर्मचारी अर्चना के साथ उनके कार्यों पर चर्चा तथा उनको सम्मानित किया गया।

दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर कार्यरत सफाई कर्मचारी श्रीमती मोनिका के साथ उनके कार्यों पर चर्चा तथा उनको सम्मानित किया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2024' के अंतर्गत दिनांक 01.10.2024 को केन्द्र पर कार्यरत सफाई कर्मयोगी श्री रोहित एवं कार्यालय परिसर स्थित नगर निगम सफाई कर्मयोगियों से स्वच्छता पर चर्चा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, अयोध्या द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2024' के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को केन्द्र पर कार्यरत सफाई कर्मयोगी श्रीमती अनुराधा मौर्यासे स्वच्छता पर चर्चा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2024' के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को केन्द्र पर कार्यरत सफाई कर्मयोगियों से स्वच्छता पर चर्चा

स्वच्छता ही सेवा 2024 पखवाड़ा के आयोजन में दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने सफाई कर्म योगियों का रोली अक्षत लगा कर एवं पुष्प गुच्छ भेंट दे कर सम्मान किया। क्षेत्रीय केंद्र के सफाई कर्मयोगी के साथ हमारी अन्य कर्मयोगी बहनों ने भी सहभागिता की। सभी के साथ उनके कार्यों की चर्चा की गई। वास्तव में स्वच्छता के प्रहरी हमारे यही सफाई कर्मयोगी ही है। सभी ने मिलकर सूक्ष्म जलपान किया। इन कर्मयोगियों को फल भी वितरित किया गया।

आज दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ में, माननीय कुलपति महोदय एवं क्षेत्रीय केंद्र मेरठ के क्षेत्रीय समन्वयक सहा.आचार्य डॉ.सतेंद्र बाबू के निर्देशन में स्वच्छता ही सेवा–2024 कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ में कार्यरत सफाई कर्मयोगी श्री हरीश एवं इस्माईल नेशनल महिला पीजी कॉलेज में कार्यरत समस्त सफाई कर्मयोगी श्री मेघराज, श्री अशोक, श्री सचिन जी के साथ उनके सेवा कार्यों का चर्चा किया गया तथा उनके अथक परिश्रम, लगन तथा सेवा कार्यों की सराहना किया गया । इसके साथ ही समस्त कर्मयोगियो को सूक्ष्म जलपान भी कराया गया।

आज दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा में, माननीय कुलपति महोदय एवं क्षेत्रीय केंद्र नोएडा/गाजियाबाद के क्षेत्रीय समन्वयक सहा.आचार्यडॉ. सतेंद्र बाबू के निर्देशन में स्वच्छता ही सेवा–2024 कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ में कार्यरत सफाई कर्मयोगी श्री धीरज जी के साथ उनके सेवा कार्यों का चर्चा किया गया तथा उनके अथक परिश्रम, लगन तथा सेवा कार्यों की सराहना किया गया । इसके साथ ही समस्त कर्मयोगियो को सूक्ष्म जलपान भी कराया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2024' के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को केन्द्र पर कार्यरत सफाई कर्मयोगी श्री प्रदीप कुमार एवम श्री सोनू हेला एवं कार्यालय के कर्मचारियों के साथ स्वच्छता ही सेवा 2024 के उनके अनुभवों पर चर्चा की गई।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2024' के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को केन्द्र पर कार्यरत एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में कार्यरत सफाई कर्मयोगी श्री अखिलेश कुमार,मंजू कुमारी एवम श्री सोनू एवं कार्यालय के कर्मचारियों के साथ स्वच्छता ही सेवा 2024 के उनके अनुभवों पर चर्चा की गई तथा सफाई कर्मचारियों को जलपान ग्रहण ——— ——।

पीएचडी के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन शुरू

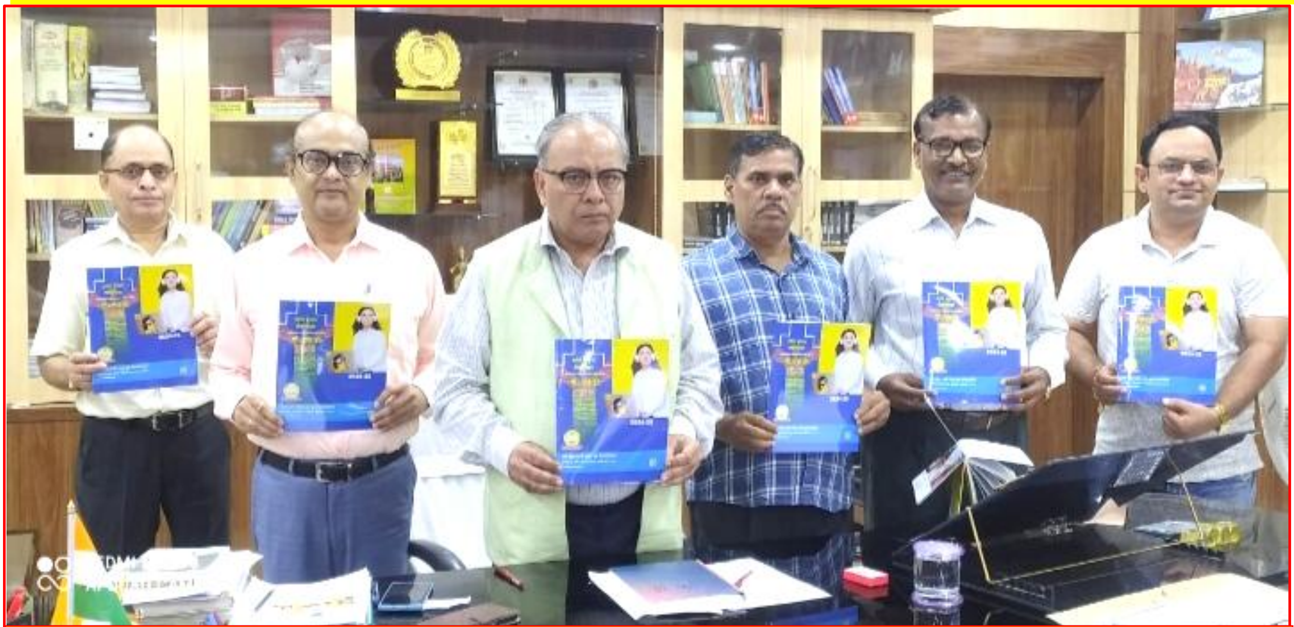

पीएचडी प्रवेश सूचना विवरणिका का विमोचन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया पीएचडी प्रवेश विवरणिका का विमोचन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र 2024–25 के लिए पीएचडी प्रवेश सूचना विवरणिका का विमोचन मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय–समय जारी रेगुलेशन और निर्देशों के अनुसार पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 अक्टूबर 2024 से आमन्त्रित किए गए हैं।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा समिति के संयोजक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि प्री– पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और प्रवेश परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, आवेदन और प्रवेश परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है, जबकि विलंब शुल्क के साथ 27 अक्टूबर से 6 नवंबर तक आवेदन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन विवरण में त्रुटि संशोधन अवधि 7 से 12 नवम्बर 2024 तक निर्धारित की गई है। प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 18 नवम्बर को अपलोड कर दिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा की प्रस्तावित तिथि 23 नवम्बर निर्धारित की गई है।

प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय इस बार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से 14 विषयों कंप्यूटर विज्ञान, न्यूट्रीशन फूड एंड डाइटेटिक्स, पत्रकारिता एवं जनसंचार, वाणिज्य, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास, व्यवसाय प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन, शिक्षा शास्त्र, संस्कृत और प्राकृत भाषा, सांख्यिकी, हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषाएं, भूगोल, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, गणित तथा जंतु विज्ञान में निर्धारित 40 सीटों में प्रवेश देगा।

मुक्त चिन्तन

01 अक्टूबर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में 'आत्मनिर्भर भारत' विषयक भाषण प्रतियोगिता

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'आत्मनिर्भर भारत' था। इस भाषण प्रतियोगिता में रूद्र सिंह, विपिन कुमार, अभिषेक सिंह, वत्सल श्रीवास्तव, पारूल श्रीवास्तव, एवं विकास शुक्ला ने आत्म निर्भर भारत पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के सदस्यों में प्रोफेसर श्रुति, डॉ. सी.के.सिंह, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. शिवेन्द्र प्रताप सिंह मौजूद थे। भाषण प्रतियोगिता के अवसर पर विश्वविद्यालय के शोध छात्र एवं विभिन्न विद्याशाखाओं के आचार्यगण उपस्थित रहे। भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 02 अक्टूबर गांधी जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन भाषण प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. सतेन्द्र कुमार ने किया। डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में ऐसे ही कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। धन्यवाद ज्ञापन श्री अनुपम ने किया।

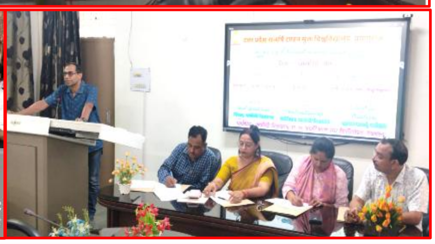

मुक्त विश्वविद्यालय में गाँधी जयन्ती के अवसर पर स्वच्छ भारत दिवस का आयोजन

गांधी जयंती पर कुलपति ने दिलाई शिक्षार्थियों की सेवा की शपथ
स्वच्छता कर्मियों एवं मालियों को कुलपति ने किया सम्मानित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 को प्रातः 09.00 बजे, त्रिवेणी सामुदायिक केन्द्र, यमुना परिसर में गाँधी जयन्ती व 'स्वच्छ भारत दिवस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मा0 कुलपति जी, कुलसचिव, निदेशकगण एवं समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व भारतरत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री के छाया चित्र पर पुष्पार्पण किया गया। तत्पश्चात् रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन तो तेने कहिए, कबीर, रविदास एवं रहीम के दोहो का श्रवण किया गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी एवं भारतरत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री जी, पूर्व प्रधानमंत्री के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्जन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने 17 सितम्बर, 2024 से 02 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा में विश्वविद्यालय के सभी परिसर, क्षेत्रीय केन्द्रों तथा विश्वविद्यालय कर्मियों के सहयोग से अपने आस–पास स्थित विद्यालयों, धार्मिक स्थलों एवं परिसरों में की गई साफ–सफाई का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के सभी स्वच्छता कर्मयोगियों को अंगवस्त्र तथा मिष्ठान प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत 'आत्म निर्भर भारत' विषय पर कराये गये भाषण प्रतियोगिता के विजेता अभिषेक सिंह, वत्सल श्रीवास्तव एवं पारुल श्रीवास्तव को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदेशक/सहायक आचार्य, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेत्तर कर्मी एवं शिक्षार्थी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए
आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए नोडल अधिकारी प्रो0 सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा

रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन तो तेने कहिए, कबीर, रविदास एवं रहीम के दोहो का श्रवण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

स्वच्छता कर्मियों एवं मालियों को सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी

भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार

सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत
'आत्म निर्भर भारत' विषय पर कराये गये भाषण प्रतियोगिता के विजेता श्री अभिषेक सिंह, श्री वत्सल श्रीवास्तव एवं सुश्री पारुल श्रीवास्तव को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के लिए पुरस्कृत करते हुए माननीय कुलपति प्रो० सत्यकाम जी

शिक्षार्थियों की सेवा हमारा परम धर्म– प्रोफेसर सत्यकाम

इस अवसर पर कुलपति आचार्य सत्यकाम ने स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए विश्वविद्यालय के कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए भी शपथ दिलाई। प्रोफेसर सत्यकाम ने शिक्षार्थियों को भगवान मानते हुए उन्हें कोई कष्ट नहीं पहुंचने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की सेवा इस प्रकार करें कि उन्हें कोई कठिनाई न हो। शिक्षार्थियों की सेवा हमारा परम धर्म है।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के स्वच्छता कर्मियों तथा मालियों को सम्मानित करते हुए कहा कि इन सब के सहयोग से विश्वविद्यालय हरा भरा एवं स्वच्छता युक्त परिसर के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। महात्मा गांधी की भी यही सोच थी। वह समाज के सबसे निचले तबके की बहुत चिंता किया करते थे। कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके द्वारा दिये गये योगदानों का भावपूर्ण स्मरण किया।

गांधी जयंती पर शिक्षार्थियों की सेवा की शपथ दिलाते हुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी

राष्ट्रगान

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रवेश तिथि 15 तक बढ़ी

अयोध्या (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रवेश सत्र जुलाई-2024 में कुलपति प्रो. सत्यकाम के निर्देश पर प्रवेश प्रभारी ने प्रवेश की अंतिम तिथि विस्तारित करते हुए 15 अक्टूबर कर दी है। प्रवेश परीक्षा आधारित कोर्स को छोड़कर बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीएलआईएस, एमएलआईएस, एमबीए, एमसीए, एमए, एमएससी, एमकाम, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट एवं जागरूकता पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पूरी की जा सकती है। विश्वविद्यालय कर्मकांड में भी एकवर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम चला रहा है। इस कोर्स की योग्यता संस्कृत विषय के साथ इंटरमीडिएट है। पांडित्य का कार्य कर रहे लोगों के लिए इस डिप्लोमा में प्रवेश लेने का सुनहरा अवसर है।

यह विश्वविद्यालय सरकारी नौकरी, प्राइवेट नौकरी, व्यवसाय, कृषक, मजदूर, रेहणी-ठेला लगाने वाले, गृहणी एवं समाज के अंतिम पायदान पर स्थित हर व्यक्ति को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कराता है। यह विश्वविद्यालय प्रवेशित शिक्षार्थियों को कोर्स अध्ययन सामग्री डाक से उपलब्ध कराकर एवं वीडियो लेक्चर और आनलाइन परामर्श कक्षा संचालित कराकर पूरा कराता है।

विश्वविद्यालय ने गत 11 सितंबर को राज्यपाल से शिक्षार्थियों की ऑनलाइन सहायता के लिए एकलव्य एप्प शुरू कराया है। इसको मोबाइल फोन में डाउनलोड कर आनलाइन सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम शिक्षार्थियों की अध्ययन प्रणाली को सुगम बनाने के लिए प्रयासरत हैं। क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के डॉ. शशिभूषण राम त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या सभी कोर्स में प्रवेश के लिए ऑनस्पॉट प्रवेश प्रक्रिया चला कर प्रवेश की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। प्रवेश के इच्छुक व्यक्ति प्रवेश कराने के लिये क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज जनौरा बाईपास परिक्रमा मार्ग से संपर्क कर सकते हैं।

पीएचडी के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन शुरू

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया पीएचडी प्रवेश विवरणिका का विमोचन

संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र 2024–25 के लिए पीएच0 डी0 प्रवेश सूचना विवरणिका का विमोचन मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय–समय जारी रेगुलेशन और निर्देशों के अनुसार रेगुलर मोड में पीएच0 डी0 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 अक्टूबर 2024 मंगलवार से प्रारम्भ हो गया। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, आवेदन और प्रवेश परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है, जबकि विलंब शुल्क के साथ 27 अक्टूबर से 6 नवंबर तक तक आवेदन किया जा सकता है।।

उक्त सूचना डॉ0 प्रवीण कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर ने दिया। डॉ0 प्रवीण ने बताया कि पीएच0 डी0 प्रवेश में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और प्रवेश परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि ऑनलाइन आवेदन विवरण में त्रुटि संशोधन अवधि 7 से 12 नवम्बर 2024 तक किया जा सकता है।। प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नवम्बर के तृतीय सप्ताह में अपलोड कर दिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा की प्रस्तावित तिथि 23 नवम्बर 2024 निर्धारित किया गया है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा समिति के संयोजक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि प्री– पीएचडी प्रवेश परीक्षा में इस बार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से 14 विषयों कंप्यूटर विज्ञान, न्यूट्रीशन फूड एंड डाइटेटिक्स, पत्रकारिता एवं जनसंचार, वाणिज्य, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास, व्यवसाय प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन, शिक्षा शास्त्र, संस्कृत और प्राकृत भाषा, सांख्यिकी, हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषाएं, भूगोल, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, गणित तथा जंतु विज्ञान में निर्धारित 40 सीटों में प्रवेश देगा।

प्रवेशार्थियों की सुविधा के लिए ई–प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। प्रत्येक विषय में सीट का विवरण वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

पीएचडी के लिए विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन शुरू

आयोजन

- कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया पीएचडी प्रवेश विवरणिका का विमोचन

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र 2024-25 के लिए पीएचडी प्रवेश सूचना विवरणिका का विमोचन मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय जारी रेगुलेशन और निर्देशों के अनुसार रेगुलर मोड में पीएच डी. में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 अक्टूबर मंगलवार से प्रारम्भ हो गया। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, आवेदन और प्रवेश परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर निर्धारित की गई है, जबकि विलंब शुल्क के साथ 27 अक्टूबर से 6 नवंबर तक तक आवेदन किया जा सकता है।।

उक्त सूचना डॉ. प्रवीण कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर ने दिया। डॉ. प्रवीण ने बताया कि पीएच.डी. प्रवेश में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और प्रवेश परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि ऑनलाइन आवेदन विवरण में त्रुटि संशोधन अवधि 7 से 12 नवम्बर 2024 तक किया जा सकता है।। प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नवम्बर के तृतीय सप्ताह में अपलोड कर दिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा की प्रस्तावित तिथि 23 नवम्बर 2024 निर्धारित किया गया है। पीएचडी प्रवेश परीक्षा समिति के संयोजक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि प्री- पीएचडी प्रवेश परीक्षा में इस बार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से 14 विषयों में निर्धारित 40 सीटों में प्रवेश देगा।

Prayagraj मुक्त विश्वविद्यालय ने आंगनबाड़ी में किया स्वच्छता...

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक पखवाड़े से चले आ रहे

streetbuzz.co.in

मुक्त विश्वविद्यालय ने आंगनबाड़ी में किया स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:525990

19:32

स्वच्छता अभियान के समापन पर कुलपति आज करेंगे स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित। - At Samachar

मुक्त विश्वविद्यालय ने आंगनबाड़ी में किया स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम टीएन शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन

atsamachar.in

स्वच्छता अभियान के समापन पर कुलपति आज करेंगे स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित

https://atsamachar.in/archives/3221/the-vice-chancellor-will-honor-the-sanitation-workers-today-at-the-conclusion-of-the-cleanliness-campaign

17:51

मुक्त विश्वविद्यालय
में
लोक मंगल की अवधारणा और रामचन्द्र शुक्ल
विषयक एक दिवसीय
संगोष्ठी का आयोजन

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में शुक्रवार दिनांक 04 अक्टूबर, 2024 को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जयंती पर लोक मंगल की अवधारणा और रामचन्द्र शुक्ल विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य योगेन्द्र प्रताप सिंह, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने की।

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अब्दुर्रहमान फैसल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर निदेशक, आचार्यगण, शोधार्थी एवं कर्मचारीगण उपस्थित

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अब्दुर्ररहमान फैसल

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि रामचन्द्र शुक्ल द्वारा प्रयुक्त लोकमंगल शब्द का आधार रामचरित मानस ही है। शुक्ल जी की लोक मंगल की अवधारणा का संबंध जीवन के प्रयत्न पक्ष से जोड़ा है।

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रामचन्द्र शुक्ल हिंदी के अत्यंत समादृत लेखक और आलोचक हैं। डॉ. रामविलास शर्मा उन्हें आलोचना के क्षेत्र में उतने ही महत्व से रखते हैं, जो महत्व प्रेमचंद का उपन्यास में है और निराला का कविता में।

काव्यशास्त्र और साहित्य सिद्धान्तों का गंभीर अध्ययन किया रामचंद्र शुक्ल ने – प्रोफेसर सिंह

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य योगेन्द्र प्रताप सिंह, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पर विचार प्रकट करते हुए कहा कि शुक्ल जी ने काव्यशास्त्र और साहित्य सिद्धान्तों का गंभीर अध्ययन किया जो बाद में उनकी पुस्तक रस मीमांसा और चिंतामणि में सुचिंतित रूप में व्यक्त हुई। हिन्दी आलोचना को संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रभाव से मुक्त कराने तथा हिन्दी का अपना व्यवस्थित शास्त्र निर्मित करने की दृष्टि से रस मीमांसा एक महत्वपूर्ण कृति है। 'चिंतामणि' में उन्होंने मनोविकार संबंधी निबंधों के साथ–साथ साहित्य–सिद्धान्तों का भी विश्लेषण–मूल्यांकन किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी ने रस–मीमांसा में रस पर आधारित विस्तार पूर्वक चर्चा की है। इसी प्रकार से उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की व्यवहारिक व्याख्यात्मक आलोचना तथा जायसी ग्रन्थावली तथा भ्रमरगीत सार की भूमिकाओं में क्रमशः जायसी और सूरदास के काव्य पक्ष का सुन्दर वर्णन किया है। आचार्य रामचन्द्र मूल रूप से रस वादी आलोचक माने जाते हैं। उन्होंने लोक मंगल की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक मंगल की भावना साधारणीकरण से जुड़ी हुई है। जिसका आशय ऐसे साहित्य का सृजन है जो साधारण जनमानस की पहुँच तक हो।

वैज्ञानिकता से परे है साहित्य : आचार्य सत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपनी रचनाओं में साहित्य के मार्मिक अंशों को प्रस्तुत किया है। लोक मंगलकारी से संबंधित भाव उन्होंने रामचरित मानस का आधार बना कर किया। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की कृतियां केवल साहित्य के लिए उपादेय नहीं है बल्कि सभी विधाओं के लिए है। उनकी रचनाओं को सभी को पढ़ना चाहिए। साहित्य एक ऐसी विधा है जो मनुष्य को मनुष्यता से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि साहित्य वैज्ञानिकता से परे है। उन्होंने विज्ञान के छात्रों को साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिससे मानवीय मूल्यों का संवर्धन हो सके।

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई डॉ. साधना श्रीवास्तव

काव्यशास्त्र और साहित्य सिद्धान्तों का गंभीर अध्ययन किया रामचंद्र शुक्ल ने ...

टीएन शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, UPRTOU प्रयागराज

atsamachar.in

काव्यशास्त्र और साहित्य सिद्धान्तों का गंभीर अध्ययन किया रामचंद्र शुक्ल ने - प्रोफेसर सिंह।

https://atsamachar.in/archives/3304/ramchandra-shukla-seriously-studied-poetics-and-literary-principles-under-professor-singh

रामचंद्र शुक्ल ने काव्यशास्त्र व साहित्य सिद्धान्तों का गम्भीर अध्ययन किया : ...

--साहित्य ऐसी विधा जो मनुष्य को मनुष्यता से जोड़ती है : प्रो सत्यकाम प्रयागराज, 04 अक्टूबर

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in//Encyc/2024/10/4/Acharya-Ramchandra-Shukla-s-Birth-Anniversary.php

08:05

12बी के अंतर्गत पात्रता का आकलन करने के लिए विशेषज्ञ समिति द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय का आभासी निरीक्षण

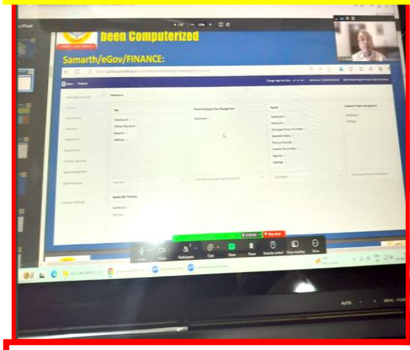

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 12बी के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की पात्रता का आकलन करने के लिए दिनांक 07–08 अक्टूबर 2024 को विशेषज्ञ समिति द्वारा आभासी निरीक्षण (Virtual Visit) किया गया।

बैठक में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के साथ विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक, विद्याशाखाओं के प्रभारी, समस्त प्रभारी, समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकगण एवं यू0जी0सी0 12बी से सम्बन्धित समिति के संयोजक एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

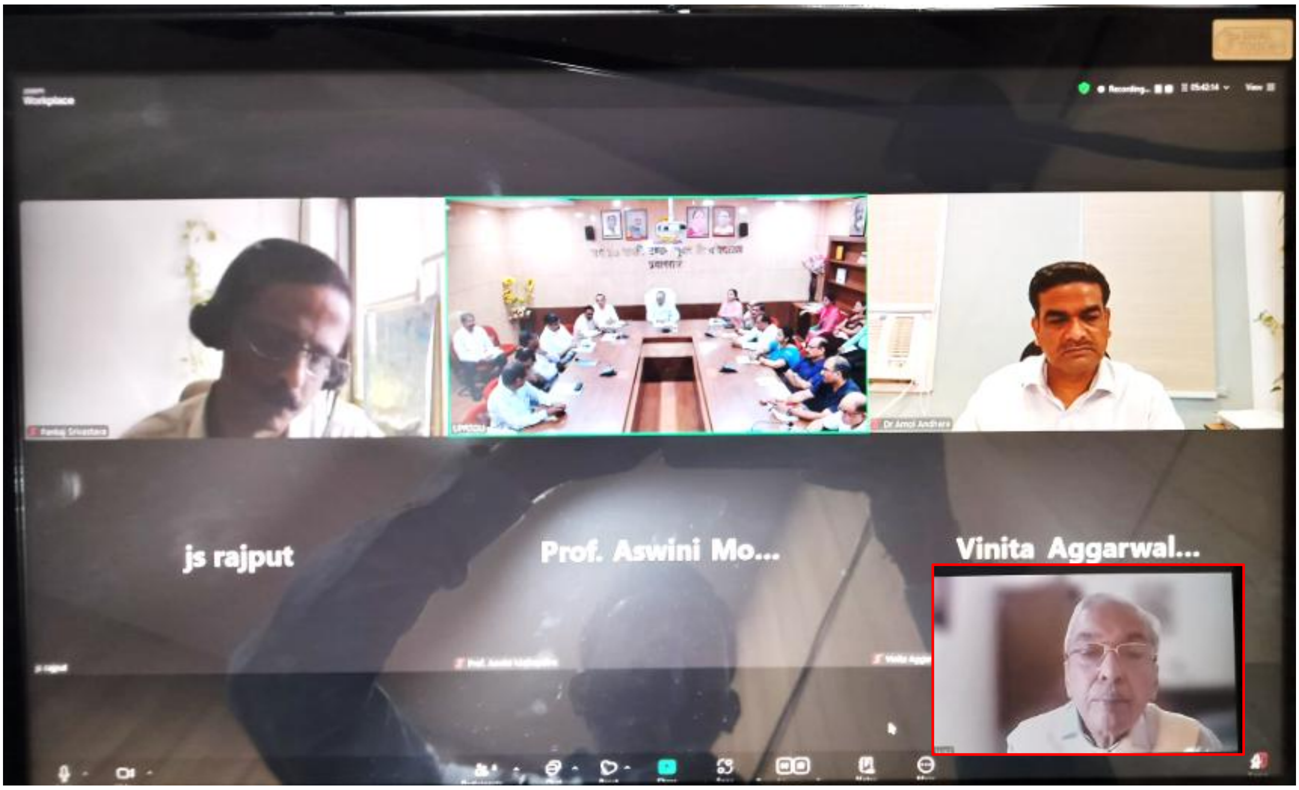
js rajput
Prof. Aswini Mo...
Vinita Aggarwal...

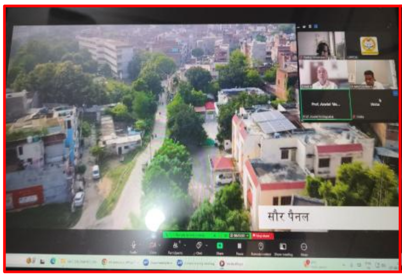
सौर पैनल

शिक्षा विद्याशाखा

Bank of Baroda
ATM
बैंक - गंगा परिसर

सरस्वती परिसर - UPRTOU

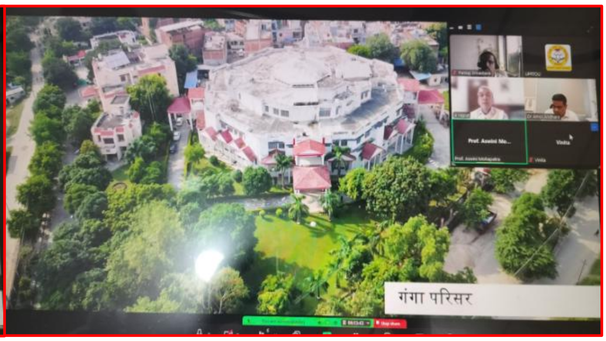
गंगा परिसर

शैक्षणिक भवन

सरस्वती परिसर - UPRTOU

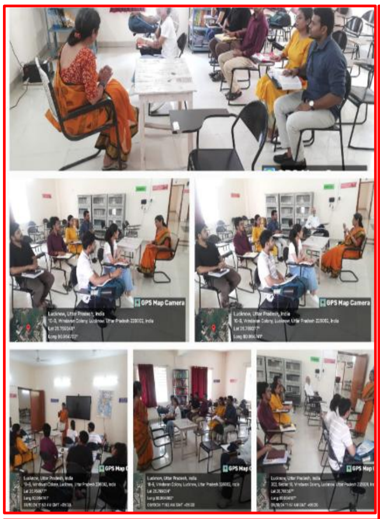

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने दिनांक 08 अक्टूबर 2024 को अपने केंद्र पर छात्रों के साथ दूरस्थ शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व पर चर्चा किया। **Capt (Dr)R Y S Chauhan (member of UP State VFT nominated by the Hon'ble Governor of UP)** द्वारा जीवन मूल्यों की शिक्षा पर एक लघु व्याख्यान दिया। डॉ चौहान ने बताया कि जीवन में श्रम का सम्मान करना चाहिए। सफलता से ज्यादा सुफलता के लिए प्रयास करना चाहिए। उनका वक्तव्य छात्रों के लिए प्रेरक रहा। छात्र अनुपम राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नामांकन अभिप्रेरणा के तहत एडवांस कॉलेज स्ट्डीज के छात्र–छात्राओं से क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ के समन्वयक डॉ प्रेम प्रकाश कुशवाहा ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों एवं नामांकन प्रक्रिया के विषय में विस्तार से जानकारी दिया गया । इसमें नामांकन की प्रक्रिया एवं परीक्षा पैटर्न पर भी चर्चा किया गया ।कई छात्राएं नामांकन लेने की इच्छा जाहिर की है।

नामांकन अभिप्रेरणा के तहत आजमगढ़ के एम ए मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज में डॉ प्रेम प्रकाश कुशवाहा, क्षेत्रीय समन्वयक ने छात्राओं को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के विषय में विस्तार से जानकारी दें तथा नामांकन करने के लिए अभी प्रेरित किया इस दौरान कई छात्राएं नामांकन एवं परीक्षा प्रणाली के विषय में जानकारी दी।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम की रिपोर्ट

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी एस–1604

दिनांक 09 अक्टूबर 2024

हाफिज सिद्दकी नेशनल इण्टर कालेज झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य से मिलकर डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा क्षेत्रीय समन्वयक विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुये।

हाफिज सिद्दकी नेशनल इण्टर कालेज झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम चलाया गया है जिसमें कर्मचारियों सहित छात्रा–छात्राओं से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी और प्रवेश के लिये प्रोत्साहित किया।

दिनांक 09 अक्टूबर 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा झाँसी श्री जी मेडिकल झाँसी चौराहे पर स्टीकर लगाकर प्रचार–प्रसार किया गया।

दिनांक 09 अक्टूबर 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी द्वारा बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम चलाया गया। और विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों के बारे बताया गया।

जिला कारागार झाँसी में जेल अधीक्षक से मिलकर नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम चलाया गया। प्रवेश की समस्त जानकारियाँ दी गयी और मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया।

जेल चौराहा झाँसी पर स्टीकर लगाकर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम चलाया गया और संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी।

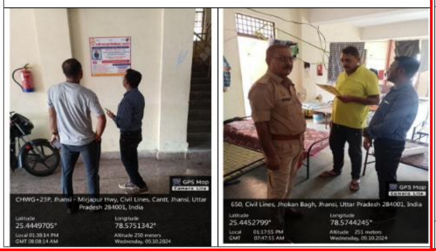

पुलिस लाइन झाँसी में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम स्टीकर लगाकर चलाया गया। और संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी।

पुलिस लाइन महिला थाना झाँसी में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा स्टीकर लगाकर नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम चलाया और संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम की रिपोर्ट

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी एस–1604

दिनांक 10 अक्टूबर 2024

कम्पोजिट विद्यालय परिषदीय आदर्श नगर क्षेत्र झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्या से मिलकर डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा क्षेत्रीय समन्वयक विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुये।

सूरज प्रसाद राजकीय बालिका इण्टर कालेज झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्या से मिलकर डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा क्षेत्रीय समन्वयक विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुये।

प्रधान डाक घर झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों से मिलकर डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा क्षेत्रीय समन्वयक विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुये।

प्रधान डाक घर झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों से मिलकर क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के कर्मचारी द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुये।

बहुमंजिलीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खुशीपुरा नगर झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्या एवं शिक्षिका से मिलकर विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुये।

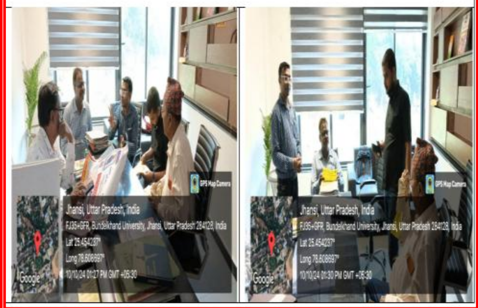

नामांकन अभिप्रेरणा प्रोग्राम के अंतर्गत आज दिनांक 09.10.2024 को हाफिज सिद्दीकी नेशनल इंटर कॉलेज झांसी में क्षेत्रीय समन्वयक झांसी द्वारा नामांकन कार्यक्रम चलाया गया तथा 12 वी के छात्रों को विश्वविद्यालय के बारे में बताया तथा विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी तथा छात्रों की शैक्षिक रुचि के अनुसार पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए अभिप्रेरित किया।
इसके साथ ही झांसी के कई स्थानों पर विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम स्टीकर को चिपककर छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया से अवगत कराया गया तथा छात्रों को पैंपलेट वितरण भी किया गया।

1. जेल
2. महिला थाना
3. पुलिस लाइन
4. ईलाइट चौराहा
5. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय रोड
6. मेडिकल

राजकीय जिला पुस्तकालय झाँसी में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा क्षेत्रीय समन्वयक स्टीकर लगाकर विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुये।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

विश्वविद्यालय छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा

सिविल सर्विसेज की मुक्त विवि कराएगा तैयारी

सहूलियत

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अब प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को सिविल सर्विसेज की तैयारी कराएगा। मुक्त विवि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के लिए छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा।

विवि प्रशासन ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। इससे यूपीएससी और यूपीपीएससी की ओर से आयोजित होने वाली सिविल सेवा भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की राह आसान होगी। सिविल परीक्षा के समसामयिक घटनाचक्र समेत अन्य टॉपिक को मुक्त विश्वविद्यालय अपटेड कर रहा है। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी का विचार चल रहा है कि पीसीएस भर्ती परीक्षा से जुड़े विषयों में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू किए जाए। ताकि विद्यार्थियों को तैयारी करने में आसानी रहे। करंट से जुड़े प्रश्नों को अपडेट कर अध्ययन सामग्री में उपलब्ध कराई जाए।

मुविवि का हिस्सा होगा प्रयागराज का इतिहास

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मौजूदा शैक्षिक सत्र में पाठ्यक्रम अपडेट किए जा रहे हैं। वर्तमान सत्र में विद्यार्थियों को संशोधित अध्ययन सामग्री मिलेगी। इसमें छात्रों को प्रयागराज और उत्तर प्रदेश से जुड़े इतिहास भी पढ़ने को मिलेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन 30 प्रतिशत अपना खुद का पाठ्यक्रम तैयार कर रहा है। वहीं, 70 फीसदी पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुरूप कॉमन होगा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर (प्रथम, तृतीय और पांचम सेमेस्टर) का पाठ्यक्रम संशोधित कर लिया है। वहीं, सम सेमेस्टर (द्वितीय, चतुर्थ और छठवां) का कोर्स संशोधित हो रहा है।

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वाराआंगनबाड़ी केंद्र, बिरूरा गांव की महिलाओं के साथ नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को आंगनबाड़ी केंद्र, बिरूरा गांव की महिलाओं के साथ नामांकन अभिप्रेरण के संबंध में वार्ता की गई।

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया की सरलता, पाठ्य सामग्री का घर तक पहुंचाना, कोई परीक्षा शुल्क न देना सभी को विस्तार से समझाया गया। उन्हें प्रवेश से संबंधित पैंफलेट भी दिए गए। वहां पर कुछ महिलाओं ने एम ए में प्रवेश हेतु अपनी इच्छा व्यक्त की। महिलाओं ने अपने वेतन को देखते हुए फीस की व्यवस्था

मुक्त चिन्तन

25 अक्टूबर, 2024

विद्यापरिषद् की 82वीं (आकस्मिक) बैठकआयोजित

ekuuh; dqyifr izks0 lR;dke

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की विद्यापरिषद् की 82वीं (आकस्मिक) बैठकदिनांक25 अक्टूबर, 2024 कोअपराह्न 03:00 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो0 सत्यकामजी ने की।बैठकमेंमहत्वपूर्णनिर्णय

सर्वप्रथमबैठकप्रारंभहोने से पूर्वकुलसचिव नेमाननीय कुलपतिजी से सभीसम्मानितसदस्यों का परिचय कराया।तत्पश्चातमाननीय कुलपतिजी ने सभीसदस्यों का स्वागतकिया । इसकेउपरांत माननीय कुलपतिजी की आज्ञा से कुलसचिव ने बैठक की कार्यवाहीप्रारंभकी।

fo|kifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjjgsekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ls cSBdizkjEHkdjus dh vuqefrizkIrdjrsgq,

बैठक की अध्यक्षताकरतेहुए माननीयकुलपतिजी एवंcSBdesamifLFkr ek0 lnL;x.kA

fo|kifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjrsgq, ekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ,oacSBdesamifLFkr ek0 lnL;x.kA

बैठकमें प्रो0 हरीशंकर सिंह, आचार्य एवंसंकायाध्यक्ष, शिक्षा विद्याशाखा, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबासाहबभीमरावअम्बेडकरविश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 अनुराधा अग्रवालविभागाध्यक्ष, राजनीतिविभाग, इलाहाबादकेन्द्रीय विश्वविद्यालय,प्रयागरा, प्रो0 सुनीलकुमार सिंह, आचार्यशिक्षा शास्त्र, काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रयागराज, प्रो. विवेककुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबासाहकबभीमरावअम्बेडकरविश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 आशुतोषगुप्तानिदेशक, विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपालतिवारी, निदेशक, मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्तकुमारस्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषाकुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 विनोदकुमारगुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव, एसोसिएटप्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 देवेशरंजन त्रिपाठी, एसोसिएटप्रोफेसर, प्रवन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधनाश्रीवास्तव, असिस्टेन्टप्रोफेसर, पत्रकारिता एवंजनसंचार, (मानविकी विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सी0 के सिंह, सहायकआचार्य, (कम्प्यूटर विज्ञान) विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्रीविनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजआनलाइन/आफलाइनउपस्थितरहे।

मुक्तविश्वविद्यालय ने कुलपति के साथलगाईराष्ट्रीय एकतादौड़

राष्ट्रीय एकतादौडके उपलक्ष्य मेंदौड़तेहुए माननीय कुलपतिजी एवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधानमेंमंगलवारदिनांक 29 अक्टूबर, 2024 कोलौहपुरुष सरदारबल्लभभाईपटेल की जन्मजयंती 31 अक्टूबर के उपलक्ष्य मेंराष्ट्रीय एकतादौड़ का आयोजनकियागया।कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने दौड़ कोहरीझंडीदिखाकररवानाकियाऔरगंगापरिसर से सरस्वतीपरिसरतकदौड़ में शामिलहुए।प्रोफेसरसत्यकाम ने दौड़ का नेतृत्वकरतेहुए शिक्षकों एवंकर्मचारियोंमेंजोशभरदिया। इस अवसरपरसभीलोगभारतमाता की जय, सरदारपटेलअमररहे, कश्मीर से कन्याकुमारी, भारतमाता एक हमारी, एक भारतश्रेष्ठभारत का नारालगाकरजनमानसको एकताबनाए रखने के लिए अभिप्रेरितकररहेथे।

गंगापरिसर से लेकरसरस्वतीपरिसरतकआयोजितराष्ट्रीय एकतादौड़ मेंकुलपति ने दौड़ में शामिलहोकरजोशभरदिया।राष्ट्रीय एकतादिवस के उपलक्ष्य मेंदौड़ का सफलआयोजननिदेशक, आचार्य, सहआचार्य, सहायकआचार्य एवंसमस्तकर्मचारियों की प्रतिभागिता से संभवहोसका।

कार्यक्रम के निदेशकप्रोफेसरपी.के स्टालिन, संयोजकप्रोफेसर छत्रसाल सिंह, आयोजनसचिवपरविंदकुमारवर्मा ने प्रारंभमेंकुलपति का स्वागतकिया। अंत मेंसभी का धन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार द्वाराकियागया।

रियासतोंमेंविभक्तभारतको अखंडभारतबनाने का श्रेय सरदारपटेलको–प्रोफेसरसत्यकाम

राष्ट्रीय एकतादौडके उपलक्ष्य मेंदौड़तेहुए माननीय कुलपतिजी एवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

कार्यक्रम की अध्यक्षताकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने की। इस अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने अपनेउद्बोधनमेंकहाकिआजजोभारतहम देख रहेहैंवहसरदारपटेल के सपनों से सींचाहुआभारतहै।रियासतोंमेंविभक्तभारतको अखंडभारतबनाने का पूराश्रेय सरदारपटेलकोजाताहै।वर्तमानमेंभारतकश्मीर से कन्याकुमारीतकगुजरात से अरुणाचलप्रदेशतकअपनेसामाजिकसांस्कृतिकविविधतामेंभी एकता का परिचायकहै।उसकापूराश्रेय अगरहमसरदारपटेलकोदेंतोअतिशयोक्तिनहींहोगी।उन्होंनेकहाकि स्वतंत्रताआंदोलनमेंजितनेलोगों ने आहुतिदीथी उस आहुति के अनुक्रममेंसरदारपटेल ने सभी के लहू से सींचाहुआ अखंडभारतपुरस्कार रूपमेंहमसभीभारतीयोंकोप्रदानकिया।हमसभी के लिए गौरव की बातहैकि ऐसेमहापुरुष का जन्मभारतभूमिपरहुआजोआजभीअपनेकर्म एवंआदर्श के लिए जनमानसमेंलोकप्रिय है।

मुक्त चिन्तन

29 अक्टूबर, 2024

ijh{kk lfefr dh 37oha cSBdvk;ksftr

प्रोफेसरसत्यकामजी
माननीय कुलपति

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 37वीं बैठकदिनांक 29 अक्टूबर, 2024 कोअपराह्न 03:00 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षतामाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम जी ने की।बैठकमेंपरीक्षा से

ijh{kk lfefrds cSBd dh v/;{krkdjjgsekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ls cSBdizkjEHkdjus dh vuqefrizkIrdjrsgq, dqylfpoJhfou; dqekj

बैठक की अध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी एवंबैठकमेंउपस्थितमाननीय सदस्यगण।

cSBdesafo'ofo|ky; ds izks0 lR;ikyfrokjh] funs'kd] ekufodhfo|k'kk[kk] izks0 iz'kkUrdqekjLVkfyu] funs'kd] f'k{kk fo|k'kk[kk] MkW0 nsos'kjatu f=kikBh] ,lksfl,VizksQslj] izcU/ku v/;;u fo|k'kk[kk] MkW0 lquhydqekj] vflLVsUVizksQslj] lektfoKkufo|k'kk[kk] m0 iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz:kxikt] duZyfou; dqeki] iih{kk fu;a=kdmifLFkrigsA